भारत के प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा

प्रलिम्सि के लयि:

[रूस-यूक्रेन संघर्ष](), [भारत हेल्थ इनशिएिटवि फॉर सहयोग, हति एंड मैत्री- BHISHM](), [मोबाइल अस्पताल](), [प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री](), [भारत की वदिेश नीत]ि, [सूरजमुखी तेल](), [तलवार श्रेणी फ्रगिेट](), [रक्षा अनुसंधान एवं वकिास संगठन (DRDO)](), [अनुच्छेद 370]()।

मेन्स के लयि:

भारत-यूक्रेन संबंधों का महत्त्व और रूस एवं पश्चमिी देशों के बीच संबंधों में संतुलन

[स्रोत: द हद्रिू]()

भारत के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के राष्ट्रपत कि **नमिंत्रण** पर यूक्रेन का दौरा कयिा। वर्ष 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता के बाद से यह यूक्रेन का दौरा करने वाला **पहला भारतीय राष्ट्राध्यक्ष था।**

- यह यात्रा **रक्षा क्षेत्र** में सहयोग पर केंद्रति थी क्योंक भारत के पास यूक्रेनी मूल के **सैन्य उपकरणों** का वशिाल भंडार है।

भारत के प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा से मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख का स्पष्टीकरण:** भारत के प्रधानमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दयिा क [रूस-यूक्रेन संघर्ष]() में भारत **कभी भी तटस्थ नहीं रहा है** और हमेशा **शांत कि पक्ष** में खड़ा रहा है।
  - भारत संघर्ष के **शीघ्र समाधान** के लयि व्यावहारकि समाधान खोजने हेतु सभी हतिधारकों से भागीदारी का आग्रह करता है।
- **अंतर-सरकारी आयोग का गठन:** भारत और यूक्रेन के बीच **द्वपिक्षीय वाणज्यिकि** एवं आर्थकि संबंधों को पूर्व-संघर्ष स्तर पर बहाल करने तथा प्रगाढ़ करने के लयि एक **अंतर-सरकारी आयोग** का गठन कयिा गया है।
  - **वर्ष 2021-22 में** द्वपिक्षीय व्यापार **3.386 बलियिन अमेरिकी डॉलर** तक पहुँच गया है।
- **चार प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर:** दोनों देशों ने [कृष]ि, **खाद्य उद्योग, चकित्सिा उत्पाद वनियिमन और सांस्कृतकि सहयोग** जैसे क्षेत्रों को शामलि करने वाले चार समझौतों पर हस्ताक्षर कयि।
  - समझौतों का उद्देश्य कृष िऔर खाद्य उद्योग में सहयोग को बढ़ावा देना, चकित्सिा उत्पादों को वनियिमति करना, मानवीय अनुदान सहायता प्रदान करना तथा दोनों देशों के बीच सांस्कृतकि संबंधों को मज़बूत करना है।
- **यूक्रेन को भीष्म क्यूब उपहार में दयि:** भारत ने यूक्रेन को चार [भारत हेल्थ इनशिएिटवि फॉर सहयोग, हति एंड मैत्री (BHISHM]()) **क्यूब** उपहार में दयि, जन्हिें [मोबाइल अस्पतालों]() के माध्यम से आपातकालीन चकित्सिा देखभाल प्रदान करने के लयि डज़िाइन कयिा गया है।
  - ये क्यूब्स [प्रोजेक्ट आरोग्य मैत्री]() का हस्सिा हैं, जो महत्त्वपूर्ण **चकित्सिा आपूर्त िप्रदान करने** और संकट की स्थतियिों में **चकित्सिा सुवधिाओं की तेज़ी से तैनाती सुनश्चिति करने का एक कार्यक्रम है।**
- **शहीदों के प्रत मिार्मकि समैक्य/एकजुटता:** प्रधानमंत्री ने कीव में यूक्रेन के राष्ट्रीय इतहिास संग्रहालय में **शहीद बच्चों की स्मृत मिें आयोजति मल्टीमीडयिा प्रदर्शनी का दौरा** कयिा। युद्ध में अपनी जान गँवाने वाले बच्चों की याद में आयोजति मार्मकि प्रदर्शनी से अत्यधकि मर्माहत हुए।
  - उन्होंने बच्चों की दु:खद मृत्यु पर दु:ख व्यक्त कयिा और **सम्मान के तौर पर उनकी स्मृत मिें एक खलिौना अर्पति कयिा।**
- **राष्ट्रपत ज़िेलेंस्की को आमंत्रण:** भारत के **प्रधानमंत्री ने यूक्रेनी राष्ट्रपत कि भारत यात्रा के लयि आमंत्रति कयिा,** जो वर्ष 1991 के बाद से यूक्रेन की उनकी पहली यात्रा के दौरान एक महत्त्वपूर्ण संकेत था।

भारत-यूक्रेन संबंधों की गतशिीलता क्या है?

- **ऐतहिासकि यात्रा:** श्री नरेंद्र मोदी वर्ष 1992 में राजनयकि संबंध स्थापति होने के बाद से यूक्रेन की यात्रा करने वाले **पहले भारतीय प्रधान मंत्री** हैं। वर्ष 1991 में [सोवयित संघ]() के पतन के बाद यूक्रेन को स्वतंत्रता मलिने के बाद भारत उसे मान्यता देने वाले देशों में से एक था।
- **पारंपरकि वदिेश नीत सि प्रस्थान:** ऐतहिासकि रूप से भारत ने **सोवयित संघ** (रूस के पूर्ववर्ती) **के साथ घनष्ठि संबंध बनाए रखे** और यूक्रेन के साथ उसका कम जुड़ाव था।

- यह यात्रा यूरोप के साथ संबंधों को बढ़ाने की भारत की **व्यापक रणनीति का हिस्सा** है, जो यूरोप के चार बड़े देशों यानी **रूस, जर्मनी, फ्राँस और ब्रिटेन के साथ संबंधों पर केंद्रित विगत संकीर्ण फोकस** से परे आगे बढ़ रही है।
    - यह यात्रा भारत की विदेश नीति में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जो मध्य और पूर्वी यूरोप के साथ व्यापक जुड़ाव को दर्शाती है।
- **द्विपक्षीय संबंधों में नए अवसर:** विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के यूक्रेनी समकक्षों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता में वृद्धि हुई है।
- **सामरिक हित:** गैस टरबाइन और विमान जैसी रक्षा प्रौद्योगिकी में यूक्रेन की विशेषज्ञता **भारत में सहयोग एवं संयुक्त विनिर्माण के अवसर** प्रदान करती है।
- **आर्थिक अवसर:** विश्व की कृषि शक्तियों में से एक के रूप में यूक्रेन की शक्ति से आने वाले वर्षों में इसकी **सामरिक प्रमुखता** में वृद्धि होगी।
- युद्ध-पूर्व यूक्रेन भारत के लिये सूरजमुखी तेल के सबसे बड़े स्रोतों/निर्यातकों में से एक था।
- **स्वतंत्र विदेश नीति:** यूक्रेन के साथ भारत का समन्वय रूस के साथ उसके संबंधों को कमज़ोर नहीं करती है, जो भारत की तटस्थ नीति को दर्शाती है।

भारत के रक्षा क्षेत्र के लिये यूक्रेन क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **सोवियत युग के उपकरण:** भारत के पास सोवियत युग के रक्षा उपकरणों का एक महत्त्वपूर्ण भंडार है जिनका अभी भी परिचालन हो रहा है, जिसमें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिये **गैस टरबाइन इंजन** और भारतीय वायु सेना (IAF) द्वारा संचालित An-32 विमान शामिल हैं।
- **भारतीय वायु सेना:** जून 2009 में भारत ने यूक्रेन के **स्पेट्सटेक्नोएक्सपोर्ट (STE)** के साथ **105 AN-32 विमानों** के अपने बेड़े को अपग्रेड करने, उनके जीवनकाल को 40 वर्ष तक बढ़ाने और उनके एवियोनिक्स में सुधार करने के लिये 400 मिलियन अमरीकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किये।
    - भारतीय वायुसेना हमारी उत्तरी **सीमा पर तैनात सेना के जवानों के हवाई रखरखाव,** एयर कारगो ड्रॉप-ऑफ और **पैरा ड्रॉप-ऑफ** के लिये **AN-32 पर बहुत अधिक निर्भर** है।
- **भारतीय नौसेना:** यूक्रेन **गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL)** में दो **एडमिरल ग्रिगोरोविच-क्लास फ्रिगेट** के निर्माण के लिये महत्त्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति कर रहा है।
    - इसका प्रभाव विशेष रूप से भारतीय नौसेना पर पड़ा है, क्योंकि इसके **30 से अधिक अग्रणी युद्धपोत** यूक्रेन की **ज़ोर्या मैशप्रोएक्ट** (**Zorya-Mashproekt**) **द्वारा निर्मित इंजनों से संचालित** होते हैं।
    - यूक्रेन की सरकारी स्वामित्व वाली ज़ोर्या मैशप्रोएक्ट तलवार श्रेणी **के फ्रिगेट/युद्धपोतों** द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले गैस टरबाइनों के संयुक्त निर्माण के लिये भारतीय निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ वार्ता कर रही है।
- **रक्षा व्यापार:** वर्ष 2019 में बालाकोट हवाई हमले के बाद IAF ने अपने **SU-30MKI लड़ाकू विमानों** के लिये यूक्रेन से **R-27 एयर-टू-एयर मारक मिसाइलों** की **आपातकालीन खरीद** की।
    - फरवरी 2021 में एयरो इंडिया में यूक्रेन ने 70 मिलियन अमरीकी डॉलर के चार समझौतों पर हस्ताक्षर किये जिसमें नए आयुधों की बिक्री के साथ-साथ भारतीय सैन्य सेवा में मौजूदा आयुधों का रखरखाव और उन्नयन शामिल है।
- **भारतीय रक्षा उद्योग को बढ़ावा:** भारतीय रक्षा उपकरण बाज़ार में अपनी उपस्थिति को प्रबल करने के प्रयासों के अलावा यूक्रेन का लक्ष्य भारत से कुछ सैन्य हार्डवेयर खरीदना है।
    - यूक्रेन ने अनुसंधान और विकास में संभावित सहयोग के लिये रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) के साथ भी चर्चा की।

भारत-यूक्रेन संबंधों में क्या समस्याएँ हैं?

- **रूस-यूक्रेन युद्ध:** चल रहा **रूस-यूक्रेन युद्ध** यूक्रेन और उसके पश्चिमी भागीदारों के साथ भारत के संबंधों में लगातार समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है।
    - भारत ने **यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर तटस्थ रुख बनाए रखा है,** कूटनीति और संवाद का समर्थन करते हुए मास्को की सीधी निंदा से परहेज़ किया है।
    - भारत ने रूस पर **पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों** में शामिल होने से मना कर दिया है और रियायती मूल्य पर रूसी ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है।
    - भारत ने **संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव** पर मतदान से काफी हद तक परहेज़ किया है, जिसमें यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की निंदा की गई थी।
- **आपूर्ति शृंखला में रुकावटें:** युद्ध ने महत्त्वपूर्ण रक्षा उपकरणों की आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित कर दिया। उदाहरण के लिये, यूक्रेनी कारखानों पर संघर्ष के प्रभाव के कारण भारतीय वायु सेना के An-32 विमान के उन्नयन में देरी हुई है।
    - रूस ने भारत को एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली के शेष दो स्क्वाड्रन की डिलीवरी अगस्त 2026 तक के लिये टाल दी है।
- **कश्मीर पर यूक्रेन का रुख:** कश्मीर मुद्दे पर यूक्रेन की सामयिक टिप्पणियाँ और रुख दोनों देशों के बीच टकराव का स्रोत रहे हैं।
    - वर्ष 2019 में भारत द्वारा **अनुच्छेद 370** को निरस्त करने के बाद **यूक्रेन ने जम्मू और कश्मीर की स्थिति पर चिंता व्यक्त की,** जिसे भारत ने अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा।
- **कूटनीतिक विसंगतियाँ:** विदेश नीति प्राथमिकताओं और वैश्विक संरेखण में अंतर ने कभी-कभी **भारत-यूक्रेन संबंधों** में घर्षण उत्पन्न किया है।
    - रूस के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी यूक्रेन के रूसी कार्यों के विरोध के विपरीत है, जिससे **कूटनीतिक संतुलन** की स्थिति उत्पन्न होती है, जो द्विपक्षीय संबंधों को जटिल बनाती है।

आगे की राह

- **रूस-यूक्रेन संघर्ष पर संतुलित दृष्टिकोण:** भारत को रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपना रुख सावधानीपूर्वक बनाए रखना चाहिये।
    - रूस के साथ अपने **सामरिक संबंध** बनाए रखते हुए, भारत को यूक्रेन की **संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता** के प्रति भी चिंता व्यक्त करनी

चाहिये।

- **सामरिक स्वायत्तता और गुटनिरपेक्षता:** भारत को अपनी सामरिक स्वायत्तता और गुटनिरपेक्षता की नीति पर ज़ोर देना जारी रखना चाहिये।
  - ऐसा करने से वह ऐसे भू-राजनीतिक संघर्षों में फँसने से बच सकता है जो सीधे तौर पर उसके राष्ट्रीय हितों की पूर्ति नहीं करते।
- **मानवीय सहायता एवं समर्थन:** भारत मानवीय सहायता एवं समर्थन प्रदान करके यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बढ़ा सकता है।
  - इसमें चिकित्सा सहायता, पुनर्निर्माण सहायता और युद्धग्रस्त क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिये तकनीकी विशेषज्ञता शामिल हो सकती है।
- **मध्यस्थता और शांति पहल:** यदि अवसर मिला तो भारत रूस और यूक्रेन के बीच **मध्यस्थता** की पेशकश कर सकता है, क्योंकि दोनों देशों के साथ उसके अच्छे संबंध हैं।
  - इससे **भारत एक ज़िम्मेदार वैश्विक अभिकर्त्ता के रूप में स्थापित होगा** और संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान खोजने में मदद मिलेगी।
- **वैश्विक दक्षिण एकजुटता का लाभ उठाना:** भारत को अन्य ग्लोबल साउथ **देशों** के साथ मिलकर एक गठबंधन बनाना चाहिये जो यूक्रेन जैसे संघर्ष क्षेत्रों में शांति और विकास को बढ़ावा देना।

?????? ????? ??????:

प्रश्न. रूस-यूक्रेन युद्ध के आलोक में भारत और यूक्रेन के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों की जाँच कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

?????????

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर विचार कीजिये: (2023)

1. बुल्गारिया
2. चेक रिपब्लिक
3. हंगरी
4. लातविया
5. लिथुआनिया
6. रोमानिया

उपरोक्त में से कितने देशों की सीमाएँ यूक्रेन की सीमा के साथ स्थलीय साझी हैं?

(a) केवल दो
(b) केवल तीन
(c) केवल चार
(d) केवल पाँच

उत्तर: (a)

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा देश मोल्दोवा के साथ सीमा साझा करता है? (2008)

1. यूक्रेन
2. रोमानिया
3. बेलारूस

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-s-pm-visit-to-ukraine